

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, शिव  
(पीठारीन अधिकारी श्री यक्ष चौधरी, IAS)

राजस्व वाद संख्या 68/2021

अन्तर्गत धारा 188 RT Act

वादीगण	बनाम	प्रतिवादीगण
1. कमलसिंह पुत्र दीपसिंह 2. देरावरसिंह पुत्र दीपसिंह जाति राजपुत, निवासी नागणासर तहसील शिव, जिला बाड़मेर		1. सादुलसिंह पुत्र भंवरसिंह 2. मोतीसिंह पुत्र सादुलसिंह 3. भगवानसिंह पुत्र सादुलसिंह 4. जेठमालसिंह पुत्र सादुलसिंह 5. धनसिंह पुत्र सादुलसिंह 6. दुर्जनसिंह पुत्र सादुलसिंह 7. गणपतसिंह पुत्र सादुलसिंह जाति राजपुत, निवासी नागणासर तहसील शिव, जिला बाड़मेर

उपस्थित :- वादीगण अधिवक्ता - श्री बृजमोहन कुमावत।

—:: निर्णय ::—

दिनांक : 11.09.2025

वादीगण के वादपत्र का संक्षिप्त में सार इस प्रकार है कि वादीगण की पुश्तैनी खातेदारी एवं कब्जाकाशत का खेत मौजा नागणासर, तहसील शिव के खसरा नम्बर 265/66 रकबा 32.0511 हैक्टेयर का आया हुआ है। जिस पर वादीगण का निरन्तर कब्जा एवं काशत चला आ रहा है। वर्तमान में उक्त वादग्रस्त आराजी में प्रतिवादीगण, वादीगण के खातेदारी खेत में अनाधिकृत रूप से कब्जा करने पर आमदा है। वादीगण द्वारा प्रतिवादीगण को अपनी खातेदारी में ऐसा करने से मना किया तो प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण के साथ मारपीट की गई तथा उसे बेदखल करने की धमकियां दी गई। वादीगण अपनी खातेदारी भूमि में रहवासी ढाणी, पानी के टांके व पशुबाड़ों सहित काबिज काशत है तथा वर्तमान में कृषि ट्यूबवेल करवाकर खेत के चारो तरफ तारबंदी भी की हुई है। वादीगण के शांतिप्रिय एवं ग्रामीण होने का नाजायज फायदा उठाकर प्रतिवादीगण, वादीगण की खातेदारी भूमि में अतिक्रमण कर अपना कब्जा पुख्ता करने पर आमदा है। प्रतिवादीगण द्वारा हमारी खातेदारी में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर मारपीट की गई तथा हमारी खातेदारी भूमि पर अनाधिकृत रूप से कब्जा करने पर आमदा है जबकि प्रतिवादीगण को ऐसा करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। उक्त विवादित आराजी के वादीगण रेकर्डेड खातेदार है तथा मौके पर काबिज काशत है। अतः वादीगण द्वारा उक्त वाद प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण की खातेदारी भूमि में विधि विरुद्ध तरीके से प्रवेश नहीं करने, वादीगण के खातेदारी खेत में किसी प्रकार का निर्माण व कब्जा नहीं करने तथा वर्तमान मौके की यथास्थिति बनाये रखे के आशय की स्थायी निषेधाज्ञा जारी करवाने बाबत वाद प्रस्तुत किया गया है।

वाद पंजीयन कर प्रतिवादीगण को जरीये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादीगण के बावजूद तामिली अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है। वादी संख्या 1 द्वारा अपने वाद के समर्थन में साक्ष्य स्वरूप अपना बयान शपथ पत्र पेश किया गया।

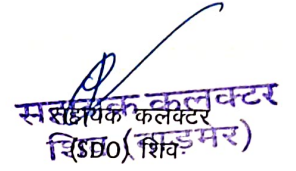
वादीगण अधिवक्ता की बहस सुनी गई। वादीगण अधिवक्ता द्वारा वादपत्र के तथ्यों को दोहराते हुए वाद को स्वीकार कर वादीगण की खातेदारी भूमि में प्रतिवादीगण द्वारा विधि विरुद्ध तरीके से प्रवेश नहीं करने, वादीगण के खातेदारी खेत में किसी प्रकार का निर्माण व कब्जा नहीं करने तथा वर्तमान मौके की यथास्थिति बनाये रखे के आशय की स्थायी निषेधाज्ञा प्रतिवादीगण के विरुद्ध जारी किये जाने का आदेश पारित करने का निवेदन किया गया।

हमने वादीगण अधिवक्ता की बहस पर मनन तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजी एवं मौखिक साक्ष्यों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया गया। चूंकि जमाबंदी के अवलोकन से स्पष्ट है कि वादीगण विवादित आराजी के रेकर्डेड खातेदार है। वादीगण द्वारा अपनी खातेदारी भूमि पर प्रतिवादीगण द्वारा विधि विरुद्ध तरीके से प्रवेश कर वादीगण की खातेदारी में दखलदांजी करने व कब्जा एवं निर्माण कार्य करने पर आमदा होने पर प्रतिवादीगण के विरुद्ध वादीगण की खातेदारी भूमि में विधि विरुद्ध तरीके से प्रवेश नहीं करने, किसी प्रकार का निर्माण व कब्जा नहीं करने तथा वर्तमान मौके की यथास्थिति बनाये रखे के आशय की स्थायी निषेधाज्ञा जारी किये जाने का निवेदन किया गया

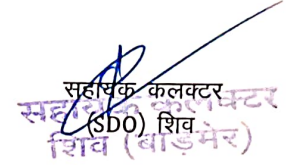
सहायक कलक्टर  
शिव (बाड़मेर)

है। उक्त वादग्रस्त आराजी सिंचित भूमि होने से विवाद होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। वादीगण अपनी खातेदारी में दखलदांजी करने पर प्रतिवादीगण के विरुद्ध स्थायी निषेधाज्ञा प्राप्त करने के विधिक अधिकारी है। प्रतिवादीगण बावजूद तामिली पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजूद अनुस्थित रहे है। वादीगण द्वारा अपने वाद के समर्थन में साक्ष्य स्वरूप बयान शपथ पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त स्थिति में विवादित आराजी वादीगण की खातेदारी भूमि होने तथा प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण की खातेदारी भूमि में जबरन अवैध रूप से कब्जा करने पर आमामादा होने से वादीगण अपनी खातेदारी भूमि में दखलदांजी रोकने तथा प्रतिवादीगण के विरुद्ध स्थायी निषेधाज्ञा जारी करवाने के विधिक अधिकारी होने से वाद को स्वीकार किये जाने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है।

लिहाजा वादीगण का वाद स्वीकार किया जाकर वादीगण की खातेदारी भूमि मौजा नागणासर, तहसील शिव के खसरा नम्बर 265/66 रकबा 32.0511 हैक्टेयर भूमि में प्रतिवादीगण द्वारा वादीगण के कब्जा काश्त में दखलदांजी नहीं करने, विधि विरुद्ध तरीके से प्रवेश नहीं करने, किसी प्रकार का निर्माण व कब्जा नहीं करने तथा वर्तमान मौके की यथास्थिति बनाये रखे के आशय की स्थायी निषेधाज्ञा प्रतिवादीगण के विरुद्ध जारी की जाती है। आवश्यकता होने पर थानाधिकारी, पुलिस थाना शिव से पुलिस इमदाद प्राप्त की जावे। तदनुसार डिक्री पर्चा जारी हो।

  
सहायक कलेक्टर  
S.D.O. शिव

निर्णय आज दिनांक 11.09.2025 को सरे इजलास सुनाया गया।

  
सहायक कलेक्टर  
(S.D.O.) शिव